



पाठ- 8 अनुस्वार, चंद्रबिंदु और विसर्ग

CLASS: II

SESSION NO :2

SUBJECT : (HINDI)

CHAPTER NUMBER: पाठ- 8

TOPIC : अनुस्वार , चंद्रबिंदु और विसर्ग

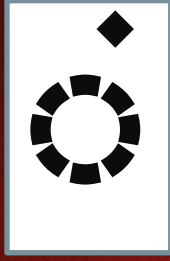
**SUB TOPIC: संदर्भ से, वर्तनी, अपठित
गद्यांश**

CHANGING YOUR TOMORROW

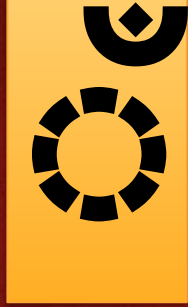
अधिगम उद्देश्य

मात्राओं से अवगत होना तथा मात्रा की
उपयोगिता तथा वर्तनी का ज्ञान प्राप्त
करना

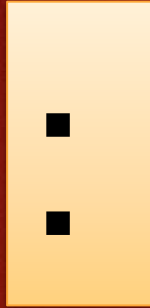




अनुस्वार



चंद्रबिंदु



विसर्ग

मं	दि	र	ताँ	गे	वा	ले
गाँ	रु	ख	सं	त	रा	ख
व	प	प	ल	सं	सा	र
कं	ये	तं	ग	बं	द	र
च	ख	ग	आँ	च	ल	आँ
न	ड	बै	ग	शं	ख	ग

संदर्भ से (Ref to context)

गंगा मंदिर गई। मंदिर में शंख बजाया।

क. दिया गया वाक्य किस पाठ से लिया गया है?

उ: दिया गया वाक्य पाठ-8 अनुस्वार, चंद्रबिंदु और विसर्ग से लिया गया है

ख. गंगा कहाँ गई ?

उ: गंगा मंदिर गई।

ग. ठंडा का समान लय है - अंडा ।

2. वर्तनी सही करो

पूँछ → पूँछ

सँतरा → संतरा

नम → नमः

दांत → दाँत

सँसार → संसार

अपठित गद्यांश

एक गाँव था ,चाँदीपुर
उस गाँव में बहुत से
चूहे थे। चूहे के दाँत
तीखे थे । चूहे बहुत तंग
करते थे एक बार चूहे
राजा की अँगूठी ले गए
। राजा मुँह लटकाकर
बैठ गया।

अनुच्छेद पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दें

क. गाँव का नाम क्या था ?

उ: गाँव का नाम चाँदीपुर था ।

ख. चूहे के दाँत कैसे थे?

उ: चूहे के दाँत तीखे थे ।

ग. दंग का समान लय वाले शब्द है - **तंग**

घ. दो चंद्रबिंदु वाले शब्द बताएँ -

ङ. चूहे राजा की अँगूठी ले गए।

सीखने के प्रतिफल

छात्रों के लेखन विधि के विकास के साथ शब्दावली में विकास होगी



THANKING YOU
ODM EDUCATIONAL
GROUP